

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

Before you read

पढ़ना आरंभ करने से पहले

- Every child is a potential achiever and is different from other children in her/his style of learning and area of interest.
- हर बच्चा एक संभावित प्राप्तिकर्ता है और सीखने की अपनी शैली और रुचि के क्षेत्र में दूसरे बच्चों से अलग है।
- Read the interview that follows. It is based on a conversation between Ms Bela Raja, editor of Sparsh, a newsletter from the Resource Centre, The Valley School, Bangalore, and Mr Hafeez Contractor, one of India's leading architects.
- नीचे दिए गए साक्षात्कार को पढ़ें। यह, वैली स्कूल, बेंगलूर के संसाधन केंद्र से एक समाचार पत्र, स्पर्श की संपादक, सुश्री बेला राजा, और श्री हफीज कान्ट्रेक्टर, भारत के अग्रणी वास्तुकारों में से एक के बीच एक वार्तालाप पर आधारित है।

I

- Hafeez Contractor was an unhappy school boy.
- हफीज कान्ट्रेक्टर एक दुखी स्कूली लड़का था।
- He loved doing things but detested mechanical learning. Mathematics gave him the shivers.
- उसे काम करना पसंद था, लेकिन यांत्रिक सीखने से नफरत करता था। गणित के नाम से ही वह कांपता था।
- What his Principal once said to him influenced him deeply.
- एक बार उसके प्रिंसिपल ने उस से जो कहा, उसने उसे गहराई से प्रभावित किया।

- HC : "I used to have this terrible nightmare. Only now, over the last four to five years, it seems to have disappeared.
- एच सी : "मुझे यह भयानक दुःस्वप्न आया करता था। लेकिन अब, पिछले चार या पांच साल से, यह गायब हो गया लगता है।
- BR : What nightmare are you talking about and why do you think it has disappeared now?
- बीआर : आप किस दुःस्वप्न के बारे में बात कर रहे हो और आपको क्यों लगता है कि यह अब गायब हो गया है?
- HC : I used to get continuous nightmares about appearing for a maths examination where I did not know anything! Now the psyche must have gotten over it, I don't have to think about education and there is absolutely no time to get nightmares.
- एच सी : मुझे गणित की परीक्षा में बैठने के बारे में लगातार बुरे सपने आया करते थे जहां मुझे कुछ भी पता नहीं था! अब मन ने इस पर अवश्य काबू पा लिया होगा, मुझे शिक्षा के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है और बुरे सपने आने के लिए बिल्कुल समय नहीं है।
- BR : Tell us something about your earliest memories in school.
- बीआर : हमें स्कूल में अपनी शुरुआती यादों के बारे में कुछ बताइए।
- HC : In the first and second year I was a good student. After I reached the third standard, I simply lost interest and I never studied.
- एच सी : पहले और दूसरे वर्ष में मैं एक अच्छा छात्र था। तीसरी कक्षा में पहुंचने के बाद, मैंने रुचि खो दी और मैंने कभी पढ़ाई नहीं की।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

I used to be interested in games, running around, playing jokes and pranks on others. I would copy in class during exam times. I would try to get hold of the examination paper that had been prepared and study it, as I could not remember things that had been taught to me in class.

मैं खेलों में रुचि रखता था, हर तरफ दौड़ना, चुटकुले सुनाना और दूसरों का मजाक बनाना। मैं कक्षा में परीक्षा के समय के दौरान नकल करता था। मैं तैयार किए गए परीक्षा के पेपर को प्राप्त करने की कोशिश करता था और उसका अध्ययन करता था, क्योंकि मुझे कक्षा में सिखाई गई बातें याद नहीं रहती थीं।

However, later, one sentence spoken to me by my Principal changed my life.

When I approached my eleventh standard, the Principal called me and said, "Look here, Son, I have been seeing you from day one. You are a good student, but you never studied. I have taken care of you till today. Now, I can no longer take care of you so you do it yourself."

हालांकि, बाद में, मेरे प्रिंसिपल द्वारा मुझे बोले गए एक वाक्य ने मेरी जिंदगी बदल दी।

जब मैं अपनी ग्यारहवीं कक्षा में पहुंचा, प्रिंसिपल ने मुझे बुलाया और कहा, "यहां देखो, बेटा, मैं तुम्हें पहले दिन से देख रहा हूं। तुम एक अच्छे छात्र हो, लेकिन तुमने कभी पढ़ाई नहीं की। मैंने आज तक तुम्हारा ध्यान रखा है। अब, मैं आगे तुम्हारी देखभाल नहीं कर सकता इसलिए तुम अपनी देखभाल स्वयं करो।

He talked to me for five minutes, "You don't have your father, your mother has worked so hard to bring you up and paid all your fees all these years but you have only played games. Now you should rise to the occasion and study."

I used to be a very good sportsman. I had been the senior champion for so many years and I also was the cricket captain. I used to play every game, but that year I did not step out onto the field.

उन्होंने पांच मिनट के लिए मुझसे बात की, "तुम्हारे पिता जीवित नहीं हैं, तुम्हारी माँ ने तुम्हें बड़ा करने के लिए इतनी मेहनत की है और इन सभी वर्षों में तुम्हारी पूरी फीस का भुगतान किया है, लेकिन तुम केवल खेलते ही रहे हो। अब तुम्हें आगे बढ़ना चाहिए और अध्ययन करना चाहिए। मैं एक बहुत अच्छा खिलाड़ी हुआ करता था। मैं इतने सालों तक वरिष्ठ चैंपियन रहा था और मैं क्रिकेट कप्तान भी रहा। मैं हर खेल खेलता था, लेकिन उस साल मैंने बाहर मैदान पर कदम नहीं रखा था।

I would go for prayers and all I would do was eat and study. I normally used to copy and pass, but I realised that once I was in SSC, I could not do that.

मैं प्रार्थना करने के लिए जाता था और मैं केवल खाता था और अध्ययन करता था। मैं आम तौर पर नकल करके पास होता था, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि एक बार जब मैं एसएससी में था, तो मैं ऐसा नहीं कर सका।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

When I got a second class, 50 per cent, in my SSC my Principal said, "Son, consider yourself as having got a distinction!" This is my memory of my school days.

I did lots of other things. See, as far as my things are concerned, I can't remember. I forget things very easily. To remember, I have to see things as a photograph. I read a book and I can remember the matter as a photograph but not through my mind. That is how it works.

जब मुझे एसएससी में दूसरी श्रेणी, 50 प्रतिशत मिली, तो मेरे प्रिंसिपल ने कहा, "बेटा, अपने आप को एक डिस्टिंक्शन प्राप्तकर्ता समझो!" यह मेरे स्कूल के दिनों की मेरी स्मृति है।

मैंने बहुत सारी अन्य चीजें कीं। देखिए, जहां तक मेरी बातों का सवाल है तो मुझे याद नहीं है। मैं चीजों को बहुत आसानी से भूल जाता हूं। याद रखने के लिए, मुझे चीजों को एक तस्वीर के रूप में देखना पड़ता है। मैंने एक किताब पढ़ी और मैं एक तस्वीर के रूप में इस मामले को याद रख सकता हूँ, लेकिन अपने दिमाग के माध्यम से नहीं। यह इस तरह काम करता है।

BR : When you were in school and you were doing badly, did the teachers pull you up and how did you feel?

बीआर : जब आप स्कूल में थे और आप ठीक से पढ़ाई नहीं कर रहे थे, तो क्या शिक्षकों ने आपको सजा दी और आपको कैसा लगा?

HC : I never felt anything on being pulled up. I used to be so interested in playing. I would receive a caning every week.

एच सी : मैंने सजा मिलने पर कभी कुछ भी महसूस नहीं किया। मेरी खेलने में बहुत दिलचस्पी हुआ करती थी। मेरी हर हफ्ते एक बार डंडे से पिटाई होती थी।

BR : When you knew that you had incurred the wrath of your teacher by not doing your homework or by behaving badly, when you knew you would get a caning, what was the state of your mind?

बीआर : जब आप जानते थे कि आपने अपना होमवर्क न करके या बुरा व्यवहार करके अपने शिक्षक के क्रोध को जगा दिया था, जब आपको पता था कि आपकी डंडे से पिटाई होगी, तब आपके मन की स्थिति क्या थी?

HC : State of mind? Just lift up the hand and they would cane you. It would hurt badly and then I would have to forget about it, because I would want to go and play.

एच सी : मन की स्थिति? बस हाथ ऊपर उठाओ और वे आपको डंडे मारेंगे। यह बहुत बुरी तरह से दर्द करता था और फिर मुझे इसके बारे में भूल जाना होता था, क्योंकि मैं जाकर खेलना चाहता था।

BR : You never felt insecure or threatened?

बीआर : आपने कभी असुरक्षित या डर महसूस नहीं किया?

HC : I was just interested in playing and nothing else. I was most interested in funny pranks. One day, I did not want to study, so I created a distraction. For one whole hour we played 'chor police'.

एच सी : मेरी सिर्फ खेलने में दिलचस्पी थी और कुछ नहीं। मेरी अजीब शरारतों में सबसे अधिक रुचि थी। एक दिन, मैं पढ़ाई नहीं करना चाहता था, इसलिए मैंने व्यवधान पैदा किया। पूरे एक घंटे के लिए हमने 'चोर पुलिस' खेला।

4

The treasure within

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

Every Saturday we were allowed to go into town to see a movie. So what I would do was have no lunch and collect money from 40 – 50 students, and run and buy the tickets. On my way back, I would eat to my heart's content.

I used to be the leader of a gang. We would have gang fights and plan strategies. These things used to interest me more than any academics.

Students used to book my textbooks for the following year, because they were almost brand new. I probably opened them one day before exams.

हर शनिवार हमें शहर में जाकर एक फिल्म देखने की अनुमति दी गई थी। तो मैं क्या करता था कि मैं दोपहर का भोजन नहीं करता था और 40-50 छात्रों से पैसा इकट्ठा करता और टिकट खरीदने के लिए चला जाता। वापस आते समय, मैं पेट भर कर खाता था।

मैं एक गैंग का लीडर हुआ करता था। हम गिरोहों के साथ झगड़ा करते और रणनीतियां बनाते। ये बातें मुझमें किसी भी शिक्षा से अधिक रूचि जगाती थीं।

छात्र अगले वर्ष के लिए मेरी पाठ्यपुस्तकों को बुक करते थे, क्योंकि वे लगभग नई होती थीं। मैं शायद उन्हें परीक्षा से एक दिन पहले खोलता था।

II

He stumbled on architecture because he knew little French and less German.

वह वास्तुकला के विषय पर विचलित हो गए क्योंकि वह थोड़ी फ्रेंच और कम जर्मन जानते थे।

He was offbeat even in the pranks that he played on others.

वह दूसरों पर खेलने वाली शरारतों में भी लीक से हटकर थे।

When he found his calling, there was no looking back.

जब उन्हें बुलाया गया तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

BR : How did you get into the field of architecture?

बीआर : आप वास्तुकला के क्षेत्र में कैसे पहुंचे?

HC : In the college for architecture, nobody who had got below 80 – 85 per cent was allowed to enter. I had only 50 per cent.

एच सी : वास्तुकला के कॉलेज में, 80 - 85 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। मेरे पास केवल 50 प्रतिशत थे।

I wanted to join the Army. I got my admission letter but my aunt tore it up. Then I decided that I wanted to join the police force.

मैं सेना में भर्ती होना चाहता था। मुझे मेरा प्रवेश पत्र मिल गया, लेकिन मेरी चाची ने इसे फाड़ दिया। तब मैंने फैसला किया कि मैं पुलिस बल में शामिल होना चाहता था।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

My mother said, "Don't join the police force, just do your graduation!" So I went to Jaihind College in Bombay. There, I was to either take French or German. Though I had studied French for seven years, I did not know seven words of French. So I took German. Then my German teacher died. The college told me that I could change the college or take French. Now, who would give me admission in another college? I had got admission to Jaihind by influence.

मेरी मां ने कहा, "पुलिस बल में शामिल मत हो, बस अपनी स्नातक की पढ़ाई करो!" इसलिए मैं बंबई के जयहिंद कॉलेज गया। वहां, मुझे या तो फ्रेंच या जर्मन लेनी थी। हालांकि मैंने सात साल तक फ्रेंच की पढ़ाई की थी, लेकिन मुझे फ्रेंच के सात शब्दों का भी पता नहीं था। इसलिए मैंने जर्मन ले ली। फिर मेरे जर्मन शिक्षक की मृत्यु हो गई। कॉलेज ने मुझसे कहा कि या तो मैं कॉलेज बदल लूँ या फ्रेंच ले लूँ। अब मुझे दूसरे कॉलेज में एडमिशन कौन देगा? मुझे सिफारिश से जयहिंद में प्रवेश मिला था।

So I thought, 'Okay, I will take French' and I started learning French again. I learnt it from my cousin. She was an architect's wife.

I was going to an architect's office to learn French!

इसलिए मैंने सोचा, 'ठीक है, मैं फ्रेंच लूँगा' और मैंने फिर से फ्रेंच सीखना शुरू कर दिया। मैंने इसे अपनी चचेरी बहन से सीखा। वह एक वास्तुकार की पत्नी थी।

मैं फ्रेंच सीखने के लिए एक वास्तुकार के कार्यालय में जा रहा था।

BR : Was it then that you decided you wanted to do architecture?

बीआर : क्या यह तब हुआ कि आपने फैसला किया कि आप वास्तुकला करना चाहते थे?

HC : Actually, it all happened quite by chance.

एचसी : वास्तव में, यह सब संयोग से हुआ।

In the architect's office, I saw somebody drawing a window detail. A window detail is a very advanced drawing.

I told him that his drawing was wrong — that the window he had drawn would not open.

He then had a bet with me and later he found that indeed, his drawing was wrong! My cousin's husband was surprised. He asked me to draw a few specific things, which I immediately did.

वास्तुकार के कार्यालय में, मैंने किसी को खिड़की का विवरण बनाते हुए देखा। एक खिड़की का विवरण एक बहुत ही उन्नत चित्रकला है।

मैंने उससे कहा कि उसकी ड्राइंग गलत है-कि उसने जो खिड़की बनाई थी, वह नहीं खुलेगी।

उसने मेरे साथ एक शर्त लगाई और बाद में उसने पाया कि वास्तव में, उसकी ड्राइंग गलत थी! मेरी चचेरी बहन का पति हैरान था। उसने मुझसे कुछ खास चीजें बनाने को कहा, जो मैंने तुरंत बना दीं।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

He asked me to design a house and I designed a house. After that, he told me to drop everything and join architecture. We went to meet the Principal of the college.

उसने मुझे एक घर डिजाइन करने के लिए कहा और मैंने एक घर डिजाइन किया। इसके बाद उन्होंने मुझसे कहा कि सब कुछ छोड़ दो और वास्तुकला से जुड़ जाओ।

हम कॉलेज के प्रिंसिपल से मिलने गए थे।

The Principal warned me, "I will allow you to take part in the entrance exams, but if you do not do well I will not allow you to join."

I got an 'A+' in the entrance exam and from that day it was a cakewalk.

I had never made a plan, but I knew how something looked like, from the top.

प्रिंसिपल ने मुझे चेतावनी दी, "मैं तुम्हें प्रवेश परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दूंगा, लेकिन अगर तुम अच्छा प्रदर्शन नहीं करोगे तो मैं तुम्हें शामिल होने की अनुमति नहीं दूंगा।

मुझे प्रवेश परीक्षा में 'A+' मिला और उस दिन से यह एक आसान काम हो गया था।

मैंने कभी योजना नहीं बनाई, लेकिन मुझे पता था कि ऊपर से कैसे कुछ दिखाई देता है।

I had never known what a section was, but I knew if you cut a plan what it would look like.

I stood first class first throughout, after that.

I believe that all this understanding came from what I used to play and do during school.

मैं कभी नहीं जानता था कि एक वर्ग क्या था, लेकिन मुझे पता था कि अगर तुम एक अनुप्रस्थिका काटोगे तो यह कैसा दिखेगा।

उसके बाद, मैं पूरी पढ़ाई में प्रथम श्रेणी प्रथम आया था।

मुझे विश्वास है कि यह सब समझ, स्कूल के दौरान जो मैं खेलता था और करता था, उससे आई थी।

I had a friend called Behram Divecha. We used to have competitions between us for designing forts, guns and ammunition. Each of us would design something in an effort to be different.

मेरा एक दोस्त था जिसका नाम बेहराम दिवेचा था। हम किलों, बंदूकों और गोला बारूद डिजाइन करने के लिए आपस में प्रतियोगिता करते थे।

हम में से प्रत्येक अलग होने के प्रयास में कुछ डिजाइन करता था।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

In school, when I was in the second or third standard, one of my teachers, Mrs Gupta, saw my sketches and told me, "See, you are useless in everything else but your sketches are good. When you grow up you become an architect". I did not know at the time but she was right. Later, after I became an architect, I went back to meet her and tell her.

स्कूल में, जब मैं दूसरी या तीसरी कक्षा में था, मेरी एक शिक्षिका, श्रीमती गुप्ता, ने मेरे नक्शे देखे और मुझे बताया, "देखो, तुम और सब कुछ में बेकार हो, लेकिन तुम्हारे नक्शे अच्छे हैं। जब तुम बड़े होगे तुम एक वास्तुकार बनोगे"। उस समय मुझे पता नहीं था, लेकिन वह सही थीं। बाद में, जब मैं वास्तुकार बन गया, मैं उनसे मिलने और उन्हें बताने के लिए वापस गया।

BR : Why do you think you did not like studies? Was it because you felt you could not cope, could not deal with the curriculum?

बीआर : आपको क्यों लगता है कि आपको पढ़ाई पसंद नहीं थी? क्या ऐसा इसलिए था क्योंकि आपको लगा कि आप सामना नहीं कर सकते, पाठ्यक्रम से सामंजस्य नहीं बिठा सकते?

HC : I was very bad at languages. Science and geography I could deal with, maths was very bad. I just was not interested. I was studying for the sake of studying. What they taught me today, I would forget after two days. I would not bother because there was no application of mind there, to begin with.

एच सी : मैं भाषाओं में बहुत नालायक था। विज्ञान और भूगोल को मैं समझ सकता था, मैथ्स में मैं बहुत खराब था। मेरी बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं थी। मैं पढ़ाई की खातिर पढ़ाई कर रहा था। उन्होंने आज मुझे जो सिखाया, मैं दो दिन बाद भूल जाऊंगा। मैं चिंता नहीं करूंगा क्योंकि वहां शुरू करने के लिए दिमाग लगाने कि कोई जरूरत नहीं थी।

BR : Did you think that what they taught in school was boring or did you feel that once you understood the concept of what was being taught, you lost interest in the rest of the lesson?

बीआर : क्या आपको लगता है कि वे स्कूल में जो सिखाते थे उबाऊ था या क्या आपको लगता है कि एक बार जब आप सिखाए जा रहे विषय की अवधारणा को समझ लेते थे, आप बाकी के सबक में रुचि खो देते थे?

HC : Living in a boarding school is difficult. We were just living from day to day.

एच सी : एक बोर्डिंग स्कूल में रहना मुश्किल है। हम सिर्फ दिन-प्रतिदिन रह रहे थे।

Nowadays, there are so many tests. Back then, whenever we had tests we used to just copy. The teacher thought that we had done our work.

आजकल बहुत सारे टेस्ट होते हैं। फिर, जब भी टेस्ट होते थे, हम सिर्फ नकल करते थे। शिक्षक सोचते थे कि हमने अपना काम किया था।

BR : There is a contention that giftedness and learning disabilities go hand in hand. Do you think this applies to you?

बीआर : एक विवाद है कि तोहफे में मिली और सीखने में अक्षमता साथ साथ चलती हैं। क्या आपको लगता है कि यह आप पर लागू होता है?

HC : Well, take some students from my class. Those who always stood first or second are today doing very ordinary jobs.

एच सी : ठीक है, मेरी कक्षा से कुछ छात्रों को ले लो। जो हमेशा पहले या दूसरे स्थान पर आते थे आज बहुत साधारण नौकरियां कर रहे हैं।

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

- BR : I have come across this situation in so many different places where people tell me that their class toppers are doing very ordinarily today.
- बीआर : मैंने इतने सारे अलग अलग स्थानों पर इस स्थिति का सामना किया है जहां लोग मुझे बताते हैं कि उनकी क्लास के टॉपर्स आज बहुत साधारण काम कर रहे हैं।
- HC : In school, I think living our lives there made us street smart. I have learnt more by doing what I did on my own than what academics would have taught me.
- एच सी : स्कूल में, मुझे लगता है कि वहां अपना जीवन गुजारने ने हमें आवारा बना दिया था। मैंने शिक्षकों द्वारा सिखाई गई बातों से कहीं अधिक अपने दम पर उससे ज्यादा सीखा है।
- BR : That is because the personality and skills were there. You were able to find expression in a manner you were comfortable with and you defied every rule so that nobody would stop you from doing what you needed to do.
- बीआर : ऐसा इसलिए है क्योंकि वहाँ व्यक्तित्व और कौशल थे। आप उस तरीके से अभिव्यक्ति खोजने में सक्षम थे जिसमें आप सहज थे और आपने हर नियम की अवज्ञा की ताकि कोई भी आपको वह करने से नहीं रोकेगा जिसे आपको करने की जरूरत थी।
- HC : I was more interested in other things. If, for example, while in class, it started raining outside, I would think of the flowing water and how to build a dam to block it. I would be thinking about the flow of water within the dam and how much of water the dam would be able to hold. That was my interest for the day.
- एच सी : मेरी अन्य चीजों में अधिक रुचि थी। यदि, उदाहरण के लिए, कक्षा में होते हुए, बाहर बारिश शुरू हो जाए, मैं बहते हुए पानी के बारे में सोचूंगा और इसे रोकने के लिए बांध कैसे बनाना है, इसके बारे में सोचूंगा। मैं बांध के भीतर पानी के बहाव और बांध कितने पानी को रोक सकेगा, इसके बारे में सोच रहा होगा। यह दिन के लिए मेरी रुचि थी।

When students lost a button while playing or fighting, they would come running to me and I would cut a button for them from chalk, using a blade. Discipline in the school was very important and no student could afford to have a button missing. The student would get past dinner with a full neat uniform and after that it did not matter.

जब छात्र खेलते या लड़ते समय एक बटन खो देते, तो, वे मेरे पास दौड़ते हुए आते और मैं एक ब्लेड का उपयोग कर चाक से उनके लिए एक बटन काट देता। स्कूल में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण था और कोई भी छात्र एक बटन को खोना वहन नहीं कर सकता था। छात्र को एक पूर्ण साफ वर्दी में रात का भोजन खाना होता था और उसके बाद इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था।

- BR : Coming to the present, how do you decide as to what kind of structure you want to give a client?
- बीआर : वर्तमान में आते हैं, आप कैसे तय करते हैं कि आप एक ग्राहक को किस तरह की संरचना देना चाहते हैं?
- HC : I look at the client's face, his clothes, the way he talks and pronounces, the way he eats and I would know what his taste would be like. I can relate to people in a way that would be comfortable. I sketch very spontaneously on a paper on the spot. That paper, I give to my people in the office.

4

The treasure within It So Happened...

(English to Hindi Translation)

- HC : मैं ग्राहक के चेहरे, उसके कपड़े, जिस तरह से वह बात करता है और उच्चारण, जिस तरह से वह खाता है को देखता हूँ और मुझे पता चल जाता है कि उसका स्वाद किस तरह का होगा। मैं लोगों से उस तरह से संबंध स्थापित कर सकता हूँ जो आरामदायक होगा। मैं एक जगह पर एक कागज पर बहुत अनायास स्केच बनाता हूँ। वह कागज, मैं कार्यालय में अपने लोगों को देता हूँ।
- BR : You do it instinctively?
- बीआर : आप इसे सहजता से करते हैं?
- HC : Call it instinct, call it arithmetic, whatever. Now it comes to me like mathematics. Putting design, construction, psychology and sociology together and making a sketch from all that is 'mathematics'.
- एचसी : इसे सहजता कहें, इसे अंकगणित कहें, जो भी कहें। अब यह मुझे गणित की तरह लगती है। डिजाइन, निर्माण, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र को एक साथ लाना और उन सब से एक स्केच बनाना ही 'गणित' है।

Here we almost come to a full circle where Mr Contractor has derived his own interpretation of Mathematics — taking it from a subject he hated to a subject he now loves dealing with!

यहां हम लगभग एक पूर्ण चक्र में आते हैं जहां श्री कोन्ट्रेक्टर ने गणित की स्वयं व्याख्या की है – इसे एक विषय से लेते हुए वह एक विषय जिससे वह नफरत करते थे, अब उसके साथ काम करने में आनंद आता है!

IWARI
ACADEMY